

Chapter- 8

अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग

STUDY NOTES

➤ हम अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग मात्रा के प्रयोग उसके उच्चारण विधि, लेखन तथा पठन कौशल का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

➤ अनुस्वार की मात्रा –

अनुस्वार स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। इसकी ध्वनि नाक से निकलती है। अनुस्वार के चिन्ह के प्रयोग के बाद आने वाले वर्ण 'क' वर्ग, 'च' वर्ग, 'ट' वर्ग, त वर्ग और 'प' वर्ग में से जिस वर्ण से संबंधित होता है, अनुस्वार उसी वर्ग के पंचम वर्ण के लिए प्रयुक्त, होता है। यानी (ङ, ञ, ण, न, म) के स्थान पर लगता है।

क वर्ग - क ख ग घ (ङ) - गङ्गा - गंगा

च वर्ग - च छ ज झ (ञ) - चञ्चल - चंचल

ट वर्ग - ट ठ ड ढ (ण) - डण्डा - डंडा

त वर्ग - त थ द ध (न) - गन्दा - गंदा

प वर्ग - प फ ब भ (म) - कम्बल - कंबल

➤ अनुस्वार का चिन्ह (¨) है -

➤ अनुस्वार वाले शब्द -

संत	पंख	शंख	डंडा	रंग	जंगल
ढंग	तंग	कंठ	चंपा	सुंदर	लंगुर
ठंडा	वंश	हंस	गंगा	पतंग	संसार

➤ चंद्रबिंदु की मात्रा -

चंद्रबिंदु स्वरों के उच्चारण में मुँह से अधिक तथा नाक से बहुत कम साँस निकलती है। इन स्वरों पर चंद्रबिन्दु का प्रयोग होता है। जो की शिरोरेखा के ऊपर लगता है। चन्द्रबिंदु के उच्चारण आनेवाली ध्वनी में स्वरों के गुण होते है जैसे अ, आ, उ, ऊ तथा ऋ स्वर वाले शब्दों में चंद्रबिन्दु लगता है। जैसे कुआँ, चाँद, अँधेरा आदि।

➤ चंद्रबिंदु वाले कुछ शब्द-

दाँत	साँप	पाँच	चाँद	बाँस	आँवला
गाँव	यहाँ	दाँया	बाँसुरी	आँचल	पूँछ
आँख	जहाँ	बायाँ	सूँड़	आँगन	पाँव

➤ विसर्ग की मात्रा-

जिन वर्णों की अंतिम ध्वनि 'ह' शेष रहती है, उसे विसर्ग कहते है। वर्ण के बाद ऊपर नीचे दो बिंदु द्वारा दर्शाया जाता है।

➤ विसर्ग का चिन्ह है (:)

➤ विसर्ग के कुछ शब्द -

अतः पूनः छः नमः शनैः प्रातः

अभ्यास कार्य:

१. चंद्रबिन्दु (ँ) तथा विसर्ग (ः) वाले शब्दों पर घेरा लगाइए -

अंगूर (पूँछ) मत (अतः)
 (काक) अचल (गाँव) (छः)
 नमः नमन (चाँद) (आँख)

२. दिए गए शब्दों में सही जगह पर अं (ँ) और अँ (ँ) लगाइए -


डंडा - डंडा जगल - जंगल
 सत - संत पतग - पतंग
 ऊट - ऊँट चाद - चाँद
 आख - आँख बूद - बूँद
 पाच - पाँच

३. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए -


क) 6 _____ का पहाड़ा याद कर।

ख) मोना  _____ पर गई।

ग) रमन  _____ बजाता है।

घ)  _____ फल तोड़ता है।

ड)  _____ साफ़ कर।

च) असलम  _____ उड़ा रहा है।

उत्तर - क) छः (ख) कुआँ (ग) बाँसुरी (घ) बंदर (ङ) दाँत (च) पतंग

अतिरिक्त प्रश्न-

४. प्रश्नों के उत्तर दें -

क) गंगा कहाँ गई थी ?

उ - गंगा मंदिर गई थी।

ख) किसने शंख बजाया ?

उ - गंगा ने शंख बजाया।

ग) मंदिर में कौन आया ?

उ - मंदिर में एक बंदर आया।

घ) कंचन कैसी लड़की है ?

उ - कंचन सुंदर लड़की है।

ङ) गाँव में कौन आया ?

उ - गाँव में एक घोड़ा आया।

च) घोड़ा कैसा था ?

उ - घोड़ा बहुत ऊँचा था।

छ) माँ किसपर बैठकर गाँव गई ?

उ - माँ ताँगे पर बैठकर गाँव गई।

ज) माँ ने ताँगेवाले को कितने रुपये दिए ?

उ - माँ ने ताँगेवाले को पाँच रुपये दिए।

झ) अनवर अपना पाठ कैसे याद करता है ?

उ - अनवर अपना पाठ पुनः पुनः याद करता है।

- ज) रोहित अपने माता पिता को रोज क्या कहता है ?
उ) रोहित अपने माता पिता को रोज नमः कहता है।
ट) अनवर कितने वजे विद्यालय जाता है ?
उ - अनवर छः वजे विद्यालय जाता है ?

५. समानलय वाले शब्द लिखें।

- क) दंग – तंग
ख) अंडा – ठंडा
ग) रंग – भंग
घ) अंगूर – लंगूर
ङ) सुंदर – बंदर
च) शंख – पंख
छ) पाँव – छाँव
ज) यहाँ – वहाँ
झ) मूँछ – पूँछ
ञ) बायाँ – दाँया

